मुंबई नवभारत प्लस

■ मुंबई, बुधवार 26 जून, 2013 ■ तापमान : 29.0, 25.0 डि.से.

पहली बार 'डोमिनो किडनी ट्रांसप्लांट'

5 मरीजों का एक साथ ऑपरेशन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई. चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय डॉक्टरों ने मंगलवार को एक और उपलब्धि हासिल की. 5 दानदाताओं से किडनी लेकर 5 मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट कर उन्हें नया जीवन प्रदान किया गया. 5 मरीजों को एक साथ 'डोमिनो किडनी ट्रांसप्लांट' भारत में पहली बार किया गया है. अभी तक अमेरिका में ही ऐसा हुआ है.

किडनी ट्रांसप्लांट के ये सफल ऑपरेशन बॉम्बे हॉस्पिटल, हीरानंदानी हॉस्पिटल और हिन्दुजा हॉस्पिटल में किए गये. बॉम्बे हॉस्पिटल के वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. श्रीरंग बिचू और डॉ. विश्वनाथ बिल्ला ने बताया कि यह जटिल कार्य एपेक्स किडनी फाउंडेशन की इकाई एपेक्स स्वैप ट्रांसप्लांट रजिस्ट्री (आस्ट्रा) के अथक प्रयासों से संभव हुआ. आस्ट्रा के सदस्य इसके लिए पिछले दो वर्षों से प्रयासरत थे.

प्रेस क्लब में 'डोमिनो किडनी ट्रांसप्लांट' की जानकारी देते हुए डॉ. जतीन कोठारी, डॉ. श्रीरंग बिचू, डॉ. विश्वनाथ बिल्ला और डॉ. गणेश शानप.

कानूनन मरीज को उसका नजदीकी रिश्तेदार ही किडनी दान कर सकता है, लेकिन दानदाता और मरीज दोनों को ब्लड ग्रुप मैच होना जरूरी है, अन्यथा ट्रांसप्लांट नहीं किया जा सकता. आज ऑपरेशन किये गये 5 मरीजों और उनके दानदाताओं के ब्लड ग्रुप 'आस्ट्रा' ने मैच करवाए. जिससे उन्हें नई जिंदगी मिली. इनके ब्लड ग्रुप अलग-अलग थे. इसके लिए महाराष्ट्र व राजस्थान सरकार से मंजूरी प्राप्त की गई.

हिंदुजा अस्पताल के वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. जतिन कोठारी ने कहा कि 5 मरीजों और उनके दानदाताओं का ऑपरेशन तीनों अस्पतालों में एक साथ सुबह करीब 8 बजे शुरू हुआ और 2.30 बजे पूर्ण हुआ. इसमें 40 डॉक्टरों ने अपनी सेवाएं दी. ऑपरेशन में अस्पताल प्रबंधन का सहयोग बहुत जरूरी था, क्योंकि इसमें 10 ऑपरेशन थिएटर का उपयोग हुआ. 'डोमिनो किडनी ट्रांसप्लांट' को मंजूरी देने में महाराष्ट्र सरकार का भी उल्लेखनीय योगदान रहा.

'आस्ट्रा' की अहम भूमिका

'आस्ट्रा' के सदस्य डॉ. गणेश शानप ने कहा कि आस्ट्रा की वेबसाइट www.apexkidney-care.com पर कोई भी मरीज और दानदाता अपना रजिस्ट्रेशन निःशुल्क करवा सकता है. आस्ट्रा ब्लड ग्रुप मैच मेकिंग एजेंसी की भूमिका निभाती है और इसके लिए किसी तरह का कोई शुल्क नहीं लिया जाता.

किडनी फेल होने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा तेजी से बढ़ रही है. हमारा उद्देश्य स्वैप ट्रांसप्लांट को प्रोत्साहन देना है, ताकि किडनी मरीजों को जल्द स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके. ट्रांसप्लांट एक लीगल प्रोसेस भी है. दूसरे, भारत में यह नया कांसेप्ट है, इसलिए दो वर्ष का समय लगा. उम्मीद है कि तीसरा 'डोमिनो किडनी ट्रांसप्लांट' एक माह में ही हो जाएगा.

- डॉ. बिल्ला